>

Title: Need to provide funds for implementation of irrigation projects in drought prone Nawada district of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, मेरा यह कहना है कि इतिहास ने, समय और काल ने जिन्दगी के इस मोड़ पर पहुंचा दिया है कि बिहार में जो नवादा जिला है, वहां बीस लाख की आबादी है और क्रोनिक सुखाड़ का यह जिला है। जमीन के नीचे पानी का तल नहीं है। वहां जो नदियां हैं, अपर सकरी नदी, घाघरा, धनांजय आदि सारी नदियां सूखी हुई एवं प्यासी हैं। दस-दस किलोमीटर से महिलाओं को पानी लाना पड़ता है।

सभापति महोदय, आप यहां आसन पर बैठे हैं, मैं आपके माध्यम से उनकी पीड़ा को, उनके दर्द की आवाज बन कर, उनकी आंखों से जो आंसू निकल रहे हैं, उनके आंसुओं एवं मोती को सदन में रखना चाहता हूं।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं, भारत सरकार ने पिछले 30 वर्षों में इन नदियों पर नदी घाटी योजना बना कर कार्यवाही की थी, जो अभी तक अधूरी पड़ी हुई है। हम चाहते हैं कि केन्द्र सरकार झारखंड की सरकार को भी बुला कर बात करे। नवादा प्यासा एवं भूखा है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि समाज और सरकार ने इनके साथ ऐसा व्यवहार किया है, प्रकृति ने भी इन्हें दंडित किया है। बादल यहां नहीं आते, वे आसमां में नहीं घूमड़ते एवं उमड़ते। धरती जो मां बन सकती है, ये बादल के न आने के कारण रूखी पड़ी हुई है।

सभापति महोदय, हम आपके माध्यम से भारत सरकार के माननीय मंत्री महोदय से आग्रह करना चाहते हैं कि आप अपने स्तर से इसके लिए प्रयास करें, ताकि नवादा जिले की प्यास बुझ सके। हम आपसे आग्रह करना चाहते हैं कि आप संवेदना दिखाएं और इस समस्या का समाधान करें। नवादा की लगभग 20 लाख की आबादी बिना पानी के जिंदगी के लिए कराह रही है, उनकी जिंदगी को सुसज्जित करने, उन्हें मणिकांचन के संयोग से आदृत करने की जिम्मेदारी किस की है? मैं कहना चाहता हूं कि जिम्मेदारी आपकी ही है। सदन में हमने इस समस्या को प्रस्तुत किया है। सदन के प्रति आप जिम्मेदार हैं। इसलिए हम आग्रह करते हैं कि ये जो सारी योजनाएं हैं, उन्हें वहां कार्यान्वित किया जाए और टैंकों के माध्यम से वहां पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

महोदय, मैं उम्मीद करता हूं कि उनकी पीड़ा, उनके दर्द और कांपती हुई उनकी रूह की आवाज इस सदन में गूंजी है, आप उस पर ध्यान देंगे।